

DPN 6439

Title: 1. होमविधि / HOMAVIDHI 2. पिण्डक्रियाविधि / PINDKRIYĀVIDHI
3. धूम्राङ्गरी पूजाविधि / DHŪMĀNGĀRI PŪJĀVIDHI
4. थसिम छये विधान / THASIMĀCHĀYA VIDHĀNA

Run. No. 7164

Cat. No. (शिवोदास स्थापन विधि) Micro. No.

Subject Ritual

Religion: Hindu / Bauddha
(SIRODĀRUSTHĀPANAVIDHI)

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23.5 x 7.6

Folios 26 (3-28) Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor गुणसेन बज्राचार्य / विजयसिंह
बज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS 735

Ruler / place बज्र श्री महाबिहार

Script: New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

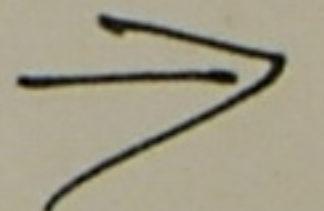
Illus.: of Vajraśtimahāvihāra
scribed by Guṇasena Vajracārya
for Vijayasimha Vajracārya of
Lagana mahāvihāra

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

Direction is in Newāra.



P. Colophon:-

1. ॥ इति अग्न्याहुति विधिः ॥ ॥ ... इति देवताहुति विधिः ॥ ॥ ... इति
संसाहुति विधिः ॥ ... ~~इति होम विधिः~~ ॥ ॥ इति होम
विधिः ॥ ॥ शुभिसम्पत् ॥ ॥
2. ॥ इति पिण्ड क्रिया विधिः ॥ शुभः ॥
3. ॥ इति पिण्ड क्रिया विधिः समाप्तः ॥ ॥ शुभः ॥
4. ~~इति धुमाग्नौ पूजा विधिः समाप्तः ॥ ॥~~
5. ~~इति शिरो दान स्थापन विधिः ॥~~ धर्मिणा दत्त विधानं शुभं ॥ ॥
सम्मत ७३५ आरवाध-कुण्ड चतुर्थी-लीला आगारवार दिवस संपूर्ण
दिन ॥ था . स मेला लग्न महाविहार बजाचार्य विजयसिंहज्याल चोचका
शुभः ॥ शुभः ॥ दिवस बस गी महाविहार बजाचार्य गुनसैन ॥ ॥
शुभिसुखं भवतु सर्वदाकारं ॥ ॥

[illegible]

ज्ञाय स्वाहा ॥ उं वसि ॥ उं सर्ववे ॥ अयमना ॥ य स्वाहा ॥ के देव के गुरुदि ॥ उं वज्राय स्वा
 स्वाहा ॥ इ वार्क ॥ उं स्या ॥ उं सर्वयावदह न वजाय सर्वयावदह स्वाहा ॥ गिलाना ॥ उं वज्र
 स्वाहा ॥ अरुद्रना ॥ उं वज्रवेगाय स्वाहा ॥ गं ध्या ॥ उं वज्रघ्नसनाय स्वाहा ॥ शु ॥
 उं वज्रविनाय स्वाहा ॥ धान्यस्य ॥ उं वज्रमहावनाय स्वाहा ॥ मास ॥ भवान् ॥ कच
 नि ॥ उं वज्रलाजाय स्वाहा ॥ गाय ॥ उं सर्वार्थसिन्धुय स्वाहा ॥ न कायका ॥ उं सर्वसंयद
 स्वाहा ॥ दाजा धनिजा ॥ उं ध्याः वज्रदर्शनिकलाय स्वाहा ॥ धुनिकालसि ॥ धनसंयधि

नमास्वस्त्य देवग समन्तनवान् ॥ गिनस्व वा इन्द्रयाग ॥ यथायदाययूजा ॥ लाश्याद्य
 वा दत्त मुनि ॥ मन्त्रनय ॥ श्रुवायागससीखनीय ॥ वर्यरु सहाय के मन्त्र ॥ उं वज्रसल
 अ ॥ ॥ स्वस्तिवाक ॥ उं अरुद्र
 वाहाने ॥ अमूकस्य पूष्टिं कुरु ॥ दाय्यदायाविशौ विशमहा ॥ उं यरुद्रकव
 नस्तुति गद्य ॥ ॥ ॥ गि अग्ना इति विधिः ॥ ॥ गंगा वरुना वमना दिवा कृत्वा प्राकारुन
 ह्नाति विराय ॥ काला काला ॥ यगवा ॥ इति मन्त्र चन्द्रास ॥ यनिमं ॥ उं लाधि

पादे शीऊनिर्व्यं च विद्वां वीजयनिषाभनमलुलाधियानि समाधुलं यं विराय ॥ हनस
 लचक्षाननामावसमनसत्यनसहकावृथ ॥ धनदवकागिरादयधुजा ॥ आकवै ॥
 धूय ॥ निनाउन ॥ पायादि ॥ कृष्ण ॥ रिधक ॥ धूयनास ॥ दूडाला ॥ ध्या ॥ ध
 वादल ॥ गिरा ॥ गर्वन ॥ ॥ गगाद ॥ वनायामूरु ॥ काने ॥ ॥ कृव ॥ विजयव ॥
 रुलयुमा ॥ विराय ॥ पूर्ववत् ॥ मलमलु ॥ शक्या ॥ यजाला ॥ ध्या ॥ ध ॥ वाद ॥ मु
 नि ॥ गर्वन ॥ ॥ ॥ यथादि ॥ आकृगिविय ॥ ॥ मिदवगा ॥ मिदीधि ॥ ॥ ॥ धनैद्वाका

मिसा इगि ॥ मिसा इगि ॥ यवद्वामि सधाविधिय निर्यु ॥ ॥ मूनमनु ॥ बुजाययाडयचधा
 नानानि ॥ हिमसदाय ॥ बालआदिनी ॥ कद ॥ द ॥ ल ॥ च ॥ इन ॥ गुठि ॥ यिगाउ ॥ न ॥ धुनि ॥
 इयिगाउ ॥ न ॥ सकल ॥ व ॥ अधिष्ठान ॥ याय ॥ धनि ॥ वायधुम ॥ ध्यास ॥ पूर्वस ॥ गी ॥
 नेरव ॥ ॥ द ॥ क ॥ स ॥ हा ॥ ॥ य ॥ धि ॥ म ॥ स ॥ इ ॥ इ ॥ ॥ न ॥ स ॥ म ॥ य ॥ य ॥ ॥ धन ॥ व ॥ च ॥ धा ॥ वा ॥ य ॥ वि ॥ धि ॥
 ॥ हा ॥ व ॥ ल ॥ व ॥ उ ॥ वा ॥ ना ॥ हि ॥ ॥ ठा ॥ कि ॥ ना ॥ ॥ ला ॥ मा ॥ ॥ रा ॥ ॥ ॥ वा ॥ ॥ हा ॥ ॥ वा ॥ यि ॥ नी ॥ ॥ सि ॥ ध ॥ भा ॥ हा ॥ ना ॥ ॥ स्वा
 ॥ ॥ था ॥ य ॥ वि ॥ स ॥ य ॥ ॥ क ॥ ॥ ॥ यि ॥ गा ॥ का ॥ आ ॥ दी ॥ न ॥ स्व ॥ स्व ॥ म ॥ नु ॥ ॥ ॥ धि ॥ धि ॥ धान ॥ या ॥ य ॥ ॥ ध ॥ नि ॥ हा ॥ य ॥ क

[illegible][illegible]

लकेनान्नगानाददक्षिणायुता ॥ इति साहित्यिक ॥ अथ प्रकीर्तनसुन्दर ॥ निम्न

15

10

नासिभगचन्द्रमसि यथागतगथागगायवर्ध्याधिरु खचयश्चिन्तित्वाधिसर्वरु
 र्दिर्मानापितृपूर्वद्विभक्त्यः सकयून्धुष्यः सकनाकस्थायुष्मन्नाशित्वात्काशयय्य
 नाशित्वादिर्विज्ञगयुष्मत्पिगायुम् कनामध्यायः कुशासननर्मिडयश्चामिस्वव
 र्त्तः ॥ कुशासनं ॥ गमववा कनयकास नम्यनिष्ठिगाः ॥ लयनं ॥ अक्षय
 पुनियदुस्वधाहं ॥ अक्षयलंखनहाय ॥ उं वसुधैवित्रयागयहं ॥ कठानव्यकनायेनमारु
 गवत्य सर्वद्विगनियनिष्ठाधनवाजायगथागगायाहनेसम्यक्कृम्युद्धाय ॥ गयध ॥ उं ॥

5

धनं सर्वपापविना धनं शुद्धाविशुद्धदिदं नम्युक्कनामध्यायसर्वकर्मविना वि
 त्ताधनं शुद्धाविशुद्धदिदं नम्युक्कनामध्यायसर्वकर्मविनविना धनं स्वाधा
 हं ॥ अक्षयलंखन ॥ उं नमारुतवनेय मृगककुनाजायगथागगायाहनेसम्यक्कृम्यु
 गायनं गयथा ॥ उं अमृगं ॥ अमृगं इव अमृगसकृद्वै अमृगद्विद्राक्तमिनेस
 र्दकर्मविना कयकनायस्वधाहं ॥ अक्षयलंखन ॥ उं यत्प्राप्तमहायुष्यं अयनमिगयुष्यं हनसेरु
 नायचयार्थस्वधाहं ॥ अक्षयलंखन ॥ आगगाययस्वस्वागगाययमिदमासनमासुका

15

अथायूरुलिकानां यं यस्तानपूजा ॥ लावमा ॥ उं अलावद्वं साधु वृद्धाणां मिश्रं सर्व
 इमं गिरुं लावमा सत्त्वानां विधिप्रयोगेन नवकथं गिरुं लावमा पुदाद्यायामनामि
 यादृक्क वृद्धाणां काननसूनामि प्राय ॥ गिरुं लावमा न्यानुगता सर्वधर्मा येन स्थितानु
 विद्वत्सिर्वधर्मा अथाना नुयुविष्ट ॥ सर्वधर्मा ॥ उं वज्रवद्वर्ष ॥ उं वज्रवद्वर्ष ॥ १२
 उं वज्रावंश ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥
 अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥

10

१२

5

पादानानयद्वं ॥ पायय ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥
 अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥
 अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥
 अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥
 अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥
 अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥ अथानिष्ठवज्रवद्वर्षा मरुव ॥

कृत्यादिना लंखन ॥ अथ अमुकसिनिष्ठा चकाराद्यानकलीहामुक्तशिक्षावर्षाष्टुया
 शालाह्वनकाववाक्यदधलंखनरायक ॥ अथ अमुकमास शुक्रादियह अमुकनि
 २ अथ अमुकतद्वर्ष अमुकथाग
 गथानासिगभचन्द्रमसि यथाग
 लैरुगवर्द्धिमागायिहपूर्वज्जभस्य ॥ सकयक्यास्य ॥ सकनाकस्यायुष्मभविधाना
 अथयऽयऽगाथस्यादिवज्जगयुष्मलिनाः अमुकनामयथायत्सद्युगासादकासलवनास

20

मातासुमासाससाकासदवधसर्वायिकवरासहिनासर्वजसिगवर्जिनायद्विद्यंनम
 दाभ्यामिसयस्यधूपदायगन्धनेवद्यादिसंयुक्तासांवत्सनाकयिषुस्वधाहूँ॥३॥
 ॐनेलादकञ्जाचमनस्वधाहूँ॥ वाविसत्वपाणनस्वधाहूँ॥३॥ध्यानकरु
 ॥ॐसर्वविद्वज्जगत्त्रैलोक्यस्वधाहूँ॥चंग ॥ॐसर्वविद्वज्जगत्त्रैलोक्यस्वधा॥सि
 ॥ॐसर्वविद्वज्जगत्त्रैलोक्यस्वधा॥चंगालाहान॥ॐसर्वविद्वज्जगत्त्रैलोक्यस्वधा॥द्वद्वम
 ॐमूर्तेर्महामूर्तेस्वधाहूँ॥स्नान॥ॐसर्वविद्वज्जगत्त्रैलोक्यस्वधा॥नेवद्य॥ॐसर्ववि

दंडायेष्टकायस्वधा॥मत्वे॥उं सर्वविद्वाजयूनकरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उं स
 वविद्वाविनरुलायस्वधा॥ज्मलसं॥उं सर्ववित्कदलीरुलायस्वधा॥मवाचनाना
 निगरुलायस्वधा॥नानिगसं॥ नाम्नायस्वधा॥ग्यन॥अष्टाला॥था॥च २१
 १३ वादनरुतिनामकुगुय॥उं स
 लयालमिनायुक्तं॥उं सर्वविद्वाजयूनकरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उं स
 मिनायुक्तं॥उं सर्वविद्वाजयूनकरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उं स

उं सर्ववित्कदलीरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उं स
 वादनरुतिनामकुगुय॥उं स
 वादनरुतिनामकुगुय॥उं स
 वादनरुतिनामकुगुय॥उं स
 वादनरुतिनामकुगुय॥उं स
 वादनरुतिनामकुगुय॥उं स
 वादनरुतिनामकुगुय॥उं स
 वादनरुतिनामकुगुय॥उं स

गाय भावनसखा वदुःखयातिनाः॥ नित्यं अनुरुतायां सम्यक् भ्याः प्रीय नि
 मयामिः॥ अडाद्यानकस्मीरुसु लंख कनकं न॥ उं अउ अमूकमासं शुक्रादि
 यके ०० त्यादिः॥ यावनकसखा
 युजावा सस्यदनावा आययाइ
 नावा असीगीनावानेवसेजिनावा नासंजिनावा सर्वे सत्त्वामयामहामुद्रम
 क्रयदयुतिष्ठावयिनया॥ एका मृत्कमहाधाना एका वननानदी॥ एका ना

यसंयननं वृद्धयुगमास्यहं॥ निचयनिचयानिश्चयुगदवास्तुचानना॥
 उलीरुवकाः गानं रीवृद्धयुगमास्यहं॥ अननममयुग्यत्यादि॥ नित्यं अनुरुता
 यांसम्यक् भ्याः प्रीय निगामया
 न्यस्यैरुसेन यावनकसर्वसत्त्वा
 मूकनामलयाय सुखावत्यां रीपातुमनूगचुलुखवाहं॥ उं नलेशवलमाल
 विष्ठावनं दिवङ्गन अमूकनामलयाय सुगानिमागचिन्द्रनिाय इगनिमाग

[illegible][illegible]

३ मयूरुलि २३ उं हं सर्वविद्या न नमानय हं ॥ ३ ॥ शिखा हा ॥ यूप ॥ उं हं स्वाहा ॥ ग व ॥
 ४ ॥ आः स्वाहा ॥ धूप ॥ उं हं स्वाहा ॥ यूप ॥ उं हं स्वाहा ॥ न वे श ॥ उं हं स्वाहा ॥ वलि ॥
 ५ मला विष्ठा न रसं मूद ॥ ६ न धि ॥ ॥ यं कर्ण ना श था ॥ ६ व द्द य ॥ स्मा क ॥ २५
 ७ ॥ ह्युं वा द्द य ॥ ७ ह द य ॥ ॥ ७ ना सो ॥ ७ व ज का य हा ॥ ७ व ज वा क
 ८ ॥ आ उं व ज विलिखः ॥ ८ आत्मान मन क हं ॥ ८ स्तन मन क हं ॥ ८ याग मन क हं ॥ ८
 ९ न सर्व द्द य सूर्य म ॥ ९ ला य लिखि ना पि र्गु ॥ ९ क शा क द्द ल मा ला वली वि न ड ॥

२५

१ लाल व द्द ना शिन क्का वल मिना विरु शिन व द्द ना व स द्द ॥ १ ग्रिन यो द्द ॥ १ द्द
 २ ॥ उं व द्द ना ला व न मूली धू मा ज्ञा ना रु ग व ना ला व थ ॥ २ आः क र्ण ना ॥ २
 ३ ॥ धू मा ज्ञा ना थ य व न स ना ना थ ॥ ३ या यं यु ना च्छा हा ॥ ३ अ र्ध य ॥ ३ मन यो द्द
 ४ ॥ उं धू मा ज्ञा ना थ स्वाहा ॥ ४ ॥ ४ गा म्ब नी थ स्वाहा ॥ ४ म ध्व ना ॥ ४ ह य क्का नी थ
 ५ ॥ स्वाहा ॥ ५ हा ५ मि ठा थ स्वाहा ॥ ५ डा व ५ थ स्वाहा ॥ ५ य र्ध ना ॥ ५ थाना थ ५ ५ः स्वाहा
 ६ ॥ उं क र्ण ना थ धिः स्वाहा ॥ ६ मा हा थ धिः स्वाहा ॥ ६ उ र्ध ना ॥ ६ उ ग ॥ ६ य ज क ॥ ६ स्वाहा ॥

नायाय... रवीकावेजविध्यवज... जिनादावकीविराया... धृष... निनाजिन...
 वलिचुपानथायनयन... वासंज... हाथयुजायाचक... पालव... क्राय... नरुयानक... जि
 काकन... नगा... सहयक... वलि... सगयाव... मसवाचक... न... य... २०
 सा... य... म... स... क... न... क... व... रु... ना... उवा... म... रु... न... भा... य... क... ल... स... ली... धन... हा... य
 ना... लि... ध्रु... न... न... वि... य... य... या... य... दि... स्के... ग... य... क... अ... उ... वा... व... न... च... रु... न... व... न... ग... ग... म... ल... न...
 यि... चा... स्वी... दि... न... न... म... म... न... को... बा... य... क... क... दा... न... वा... दा... न... न... रु... व... र... व... स... र्थ... धि...

मास ३ ४४ व ११ वी २

ना... न... व... की... न... व... ज... न... धि... स्त्री... ग... या... व... वि... स्म... न... या... य... म... न... आं... न... म... स... र्व... वृ... द्धा... नां... आं... म... हा... य
 त्य... गि... ना... वि... स... च... क... व... किं... स... र्व... य... ग... म... क... व... द... ॐ... ल... रु... व... न... व... द... वृ... ष... द... व... व... ध... न... य... ॐ
 रु... वा... डि... नां... यि... न... क... न... चिं... रु... या... दि... क... विं... द... श... रिं... द... श... चि... नि... श... मि... नि... श... मि... नि... श... र्क... र्क...
 रु... दू... र... स्वा... हा... ना... डि... रुं... न... वृ... च... को... ना... क... व... मि... हा... थ... यू... जा... या... य... म... धि... नि... हा... थ... य... न...
 यं... डि... ना... दा... न... क... क... र्क... क... र्क... ल... र्क... स... रु... मु... क... न... क... रु... द... व... ना... स... र्व... वि... नि... अ... मि... अ... ल... वा... य... व... ना... जा
 व... ल... न... रु... सि... ना... द... वा... जा... व... हां... गा... म... हि... न... ल... च... ला... र्क... ग... ग... न... न... क... जा... व... ला... व... ल... वि... ज... यि... रु

